

Obsah

Z BÁSNICKÝCH A PROZAICKÝCH JUVENÍLIÍ

| | |
|----------------------------|----|
| Quid est veritas..... | 7 |
| Žalm 20. storočia..... | 8 |
| Fantastické historky..... | 10 |
| Rozprávka pre veľkých..... | 11 |
| Momentka..... | 15 |
| Úryvok z duše..... | 15 |
| Básnikova tragika..... | 16 |
| Vianočný sen..... | 17 |
| Tulácky verš..... | 18 |
| Miešanie farieb..... | 19 |
| Večer na nábreží..... | 20 |
| Polnoc v meste..... | 21 |
| Nápis do pamätníka..... | 22 |
| Nové krédo..... | 22 |
| Jarou priviate..... | 23 |
| Opona..... | 24 |
| Pohreb dekabristu..... | 25 |
| Detail z Bratislavy..... | 27 |
| Spomienky z Lúčnice..... | 27 |

Z LYRICKEJ TVORBY

| | |
|------------------------------------|----|
| Chlapec maľuje dúhu..... | 31 |
| „Predstupujem v rozpakoch...“..... | 32 |
| Chlapec..... | 32 |
| Večer po práci..... | 33 |
| Ranná omša..... | 34 |
| Z jarného náčrtníka..... | 35 |
| Až pôjde tento vlak..... | 36 |
| Hra v karty..... | 38 |

| | |
|--|----|
| Zbohom, pán Baudelaire..... | 40 |
| Vizionár..... | 41 |
| Nočná smena v bani..... | 43 |
| Meno..... | 44 |
| Verše hnevu..... | 45 |
| Fragment..... | 46 |
| Tichá noc..... | 47 |
| Po všetkom..... | 53 |
| Sen..... | 54 |
| Pieseň o lienke..... | 55 |
| Teraz je máj..... | 56 |
| Kratučké zastavenie..... | 58 |
| Verš o pomníkoch padlým a o iných trápnych veciach..... | 58 |
| Berlínske leto..... | 62 |
| Vianoce 1951..... | 64 |
| * * * (<i>Až sa raz potopí s posádkou svojho smútku...</i>)..... | 76 |
| List matke..... | 76 |
| Večerný zvon..... | 77 |
| Výkrik..... | 78 |
| Nápis..... | 79 |
| Na dne nádoby..... | 79 |
| Popevok..... | 82 |
| Ešte..... | 83 |
| Dve balady za pokoj Sergeja Jesenina..... | 84 |
| Kontemplácia..... | 86 |
| Chlapec maľuje dúhu..... | 94 |
| Až dozrieme..... | 95 |
| I | |
| Ľudstvo..... | 96 |
| Verš..... | 96 |
| Chryzantémy..... | 97 |
| Žena..... | 98 |
| Rozlúčenie..... | 98 |
| Ťažká hodinka..... | 99 |
| Balada jesenná..... | 99 |

| | |
|---------------------------------|-----|
| Za starou mamou..... | 100 |
| Cestou z pohrebu..... | 101 |
| Básnik..... | 102 |
| Modlitba za milú..... | 103 |
| Na chotári malá jeseň sedí..... | 103 |
| Príhody..... | 104 |
| Rakvy z Vietnamu..... | 107 |
| Hlad v Ázii..... | 110 |
| Konvoj pre Kóreu..... | 111 |
| Kórejské koledy..... | 112 |
| Monológ v lazarete..... | 114 |
| Básnik..... | 117 |
| Verše..... | 118 |
| Pesnička..... | 119 |
| II | |
| Novembrová..... | 120 |
| O láske..... | 121 |
| Neskorá jeseň..... | 122 |
| Nemusiš..... | 122 |
| Pieseň s jarabinou..... | 123 |
| Leto..... | 124 |
| Vyznanie..... | 126 |
| List jednej žene..... | 126 |
| Stretnutie na Ringstrasse..... | 132 |
| Wernigerode..... | 132 |
| Básnik vo väzení..... | 133 |
| Materstvo..... | 134 |
| Večer na Ďumbieri..... | 135 |
| Ohník na hrebeni..... | 137 |
| Október..... | 138 |
| Vyznanie lásky..... | 139 |
| Katreny..... | 141 |
| Otec..... | 142 |
| Pieseň o tkáčke..... | 144 |
| Genézis..... | 145 |
| Dve jarné básne..... | 148 |

| | |
|-------------------------|-----|
| V zemi nikoho..... | 151 |
| Ticho pred básňou..... | 152 |
| Vernosť..... | 152 |
| Je ticho už..... | 153 |
| Chvilka s radosťou..... | 153 |
| Alebo..... | 154 |
| ísť domov..... | 154 |
| V októbri slnečnom..... | 155 |
| Slová..... | 156 |
| Čajka na vlnách..... | 156 |
| Večer..... | 157 |
| Pišťalka..... | 158 |
| Poetiky..... | 158 |
| Štetec..... | 160 |
| Smrť..... | 161 |
| Človek..... | 162 |
| Príliš zavčasu..... | 162 |
| Iba mlčať...?..... | 163 |
| Prútený kôš..... | 163 |
| Vrásky..... | 164 |
| Zimný strom..... | 164 |
| V zemi nikoho..... | 165 |
| Odkaz..... | 165 |
| A dnes..... | 166 |
| | |
| Zvony..... | 167 |
| I | |
| Zvony..... | 168 |
| Krajina detstva..... | 168 |
| Abeceda..... | 169 |
| Jarná hlina..... | 170 |
| Sená..... | 170 |
| Kosec..... | 171 |
| Trojka..... | 171 |
| Furmani..... | 172 |
| Starenka na dreve..... | 172 |
| Brzdy..... | 173 |

| | |
|--------------------------------|-----|
| Matka..... | 173 |
| Polička v horách..... | 174 |
| Žatva..... | 175 |
| Príslovia..... | 175 |
| Staroba..... | 176 |
| Čas a zrkadlo..... | 176 |
| Rodisko..... | 177 |
| Balady za dušu zvierat..... | 177 |
| Zemiaky..... | 178 |
| Človek..... | 179 |
| Jesenná hlina..... | 179 |
| Nádoby..... | 180 |
| Vrchári..... | 180 |
| Pamäť..... | 181 |
| Okno..... | 181 |
| II | |
| Zvony..... | 182 |
| Pod zvonom..... | 183 |
| Snímanie z kríža..... | 183 |
| Len tak..... | 184 |
| Cesta..... | 185 |
| Michelangelo..... | 185 |
| Oféliin pohreb..... | 186 |
| Skús, hovor z prapočiatku..... | 186 |
| Božia muka..... | 187 |
| Krása..... | 188 |
| Studňa..... | 189 |
| Šťastie..... | 190 |
| Dialóg na každý deň..... | 190 |
| Čo je básneň..... | 191 |
| Smrť..... | 191 |
| Sloboda..... | 192 |
| Bolest'..... | 192 |
| Múdrosť..... | 193 |
| Ivan Krasko..... | 193 |
| Volajú nás..... | 194 |
| Čas prázdna..... | 194 |

| | |
|--|-----|
| Úcta, strach?..... | 195 |
| Poézia..... | 195 |
| Tak..... | 196 |
| Údel..... | 197 |
| Zvony detstva..... | 197 |
| | |
| Ľudia v horách..... | 199 |
| | |
| Stôl chudobných..... | 209 |
| *** (<i>V jaskynke pamäti sviati večné svetlo.</i>)..... | 210 |
| Stôl chudobných..... | 210 |
| Križ obilia..... | 211 |
| A každý deň | |
| Hľadanie obrazu..... | 212 |
| A každý deň..... | 213 |
| Marec..... | 214 |
| Poľná cesta..... | 214 |
| Predjarie..... | 215 |
| Modlitba za úrodu..... | 215 |
| Prvý jarný deň..... | 216 |
| Žena v poli..... | 217 |
| Muž v poli..... | 217 |
| Tesári..... | 218 |
| Volky..... | 219 |
| Vápno..... | 219 |
| Pieta..... | 220 |
| Pod nošou sena..... | 221 |
| Odpočinok..... | 221 |
| Starci..... | 222 |
| Deti a starci..... | 222 |
| Vozy so senom..... | 223 |
| Klasy..... | 224 |
| Ovos..... | 224 |
| Obilie dozrieva..... | 225 |
| Október..... | 225 |
| Snopy..... | 226 |

| | |
|--|-----|
| Prosté a ťažké | |
| Hudba pod ľadom..... | 227 |
| Prosté a ťažké ako príslovia..... | 227 |
| Kúkol'..... | 228 |
| Sluhovský plač..... | 228 |
| Plebejský žalm..... | 229 |
| Chudobné lovenie rýb..... | 230 |
| Sú cesty..... | 231 |
| Chlieb náš..... | 231 |
| Povala..... | 232 |
| Ľan na rubáš..... | 233 |
| Olovrant..... | 234 |
| Obsah kruhu..... | 234 |
| Dejepis..... | 235 |
| Čas odchodov | |
| Čas odchodov..... | 236 |
| Však múdrosť nie..... | 236 |
| Jesenný pluh..... | 237 |
| Hrozná..... | 238 |
| Babie leto..... | 239 |
| Ráno s pastierom..... | 239 |
| Jesenné stádo..... | 240 |
| Cesta..... | 240 |
| A to je pravda..... | 241 |
| Slovensko, zbohom..... | 242 |
| * * * (<i>V jaskynke pamäti svieti večné svetlo.</i>)..... | 243 |
| Hudba tvarov..... | 245 |
| Odklíňanie tvaru..... | 246 |
| Tuha..... | 246 |
| Nad prázdny m plátnom..... | 247 |
| Ruka..... | 247 |
| Prvé akty..... | 248 |
| Naboso..... | 249 |
| Autodafé..... | 249 |
| Dokiaľ som býval dieťaťom..... | 250 |

| | |
|--------------------------|-----|
| Jablko..... | 250 |
| Oni..... | 251 |
| Iné, nie inak..... | 252 |
| Spomienka na more..... | 252 |
| Maliarov Otčenáš..... | 253 |
| Zaspievať mýtus..... | 253 |
| Krajina z vlaku..... | 254 |
| Podvečer..... | 255 |
| Levoča..... | 256 |
| Mestá..... | 256 |
| Meluzína..... | 257 |
| Kohúty..... | 257 |
| Iba maliar..... | 258 |
| Potichu..... | 260 |
| Komediantka..... | 260 |
| Ružomberok a ja..... | 261 |
| Záznamy..... | 262 |
| Skica..... | 263 |
| Dlhá pesnička..... | 263 |
| Láska prostých..... | 264 |
| Selanky..... | 264 |
| Súmrak..... | 265 |
| Fullove kvety..... | 266 |
| Akt..... | 266 |
| Kolorované..... | 267 |
| Farba..... | 268 |
| Zátišie..... | 268 |
| Nakoniec ešte..... | 269 |
| Kvety Fullovi..... | 270 |
| A čo je krása?..... | 270 |
| Óda na radosť..... | 273 |
| Murárska balada..... | 287 |
| Neskorý autoportrét..... | 297 |
| Mrkanička..... | 298 |

| | |
|-----------------------------|-----|
| Šepotala mi..... | 298 |
| Dozrievanie..... | 299 |
| Pieseň mŕtveho vtáčaťa..... | 299 |
| Viera, dcérka času..... | 300 |
| Útek do Egypta..... | 301 |
| Hodina rozhodnutia..... | 301 |
| A nech..... | 302 |
| Noc moci..... | 303 |
| Ibaže sú deti..... | 304 |
| Deti..... | 305 |
| Dcérka I..... | 305 |
| Pán Björnson..... | 306 |
| Bradlo 1990..... | 307 |
| Opitý koráb..... | 308 |
| Nuž čo..... | 309 |
| Akoby..... | 309 |
| Vek rozumu..... | 310 |
| Jóbova samomluva..... | 310 |
| Čas spomienok..... | 311 |
| Teraz..... | 311 |
| Nezrozumiteľný..... | 312 |
| Koleso..... | 313 |
| Piata, ekologická..... | 313 |
| Cestou do mesta AIDS..... | 314 |
| Slová..... | 315 |
| Básnik..... | 315 |
| Osud svedkov..... | 315 |
| Hľadanie rodiča..... | 316 |
| Z Prísloví..... | 317 |
| E. M. Š..... | 318 |
| Hodiny spevu..... | 319 |
| Kde..... | 319 |
| Básni..... | 320 |
| Mamina koleda..... | 320 |
| V tichu pred básňou..... | 321 |
| Dcérka II..... | 321 |
| Krik divých husí..... | 322 |

| | |
|--|-----|
| Také dni..... | 323 |
| Kratučký príbeh..... | 323 |
| Čo s tým?..... | 323 |
| Smrť Leva Nikolajeviča..... | 324 |
| Len skrze nich..... | 324 |
| Nepatrné rekviem..... | 325 |
| Tri jesenné..... | 325 |
| Na konci básne..... | 327 |
| Chotárne studničky..... | 327 |
| Exegi monumentum..... | 328 |
| Dedinský cmier..... | 328 |
| Umenie..... | 329 |
| Krištáľová modrá soľnička..... | 330 |
| Opäť..... | 330 |
| DcérkalII..... | 331 |
| Vlasy..... | 331 |
| Po tom..... | 332 |
| Neskorý autoportrét..... | 332 |
| Čas plachých otázok..... | 333 |
| Svedectvá | |
| Mimochodom..... | 334 |
| Horké svedectvá..... | 335 |
| Labyrint sveta..... | 335 |
| Podtatranský splín..... | 336 |
| Spor básne s jarnou oblohou..... | 337 |
| Detská etuda..... | 339 |
| Nový starý hlad..... | 340 |
| C'est la guerre..... | 340 |
| Žalmy 1..... | 341 |
| Kentauri..... | 342 |
| Svedkova obhajoba..... | 342 |
| Zapisovateľ storočia..... | 343 |
| Predpokladané odchody..... | 344 |
| Metamorfózy..... | 345 |
| Stará pohľadnica Janovi Skácelovi..... | 346 |
| Husle..... | 347 |

| | |
|--|-----|
| Hráč Božej dychovky..... | 347 |
| Večiereň..... | 349 |
| Závažná Poruba..... | 350 |
| Žalmy II..... | 351 |
| Nuž, čo...?..... | 352 |
| Čas plachých otázok | |
| *** (<i>Je po hostine, upratuješ stól.</i>)..... | 352 |
| Uzrozumení..... | 353 |
| Taký si občas..... | 354 |
| Akože...?..... | 355 |
| Boh môjho detstva..... | 355 |
| Zvon zvaný Zuzana..... | 356 |
| Ako odchádzajú básnici..... | 357 |
| Čas plachých otázok..... | 358 |
| Pravda a bolesť..... | 359 |
| Rozprávka o človečej duši..... | 359 |
| Z čoho je báseň..... | 361 |
| Credo ergo sum..... | 361 |
| Čas volby..... | 362 |
| Môj čas..... | 364 |
| Rozum a viera..... | 365 |
| Modlitba nemého..... | 365 |
| Nie je to zložité..... | 366 |
| Kráse..... | 367 |
| Báseň a podvečerné svitanie..... | 367 |
| Radosti..... | 368 |
| Fialkové údolie..... | 369 |
| *** (<i>Nič menej ako...</i>)..... | 370 |
| Dovetok..... | 370 |

Z TVORBY PRE DETI

| | |
|---|-----|
| Pozdrav Pavlovi Dobšinskému..... | 374 |
| O tátošíkovi..... | 374 |
| *** (<i>Bola raz jedna krajina temná ako...</i>)..... | 378 |
| Slnčový kôň..... | 378 |

| | |
|----------------------------|-----|
| Pamätníček..... | 381 |
| Žltohlavy..... | 382 |
| Ty a ja..... | 382 |
| Pamätníček..... | 383 |
| Deti a kvety..... | 383 |
| Tulipán..... | 384 |
| Hľadačka kvetov..... | 385 |
| Škola..... | 385 |
| Zvony a zvončeky..... | 386 |
| Farebné konvalinky..... | 387 |
| Nevestička..... | 387 |
| Zajačiky v tráve..... | 388 |
| Kačičky vo vode..... | 389 |
| Babôčka admirál..... | 389 |
| Každodenné svitanie..... | 390 |
| Červený mak..... | 391 |
| Pod'akovanie za úrodu..... | 391 |
| Mladučký les..... | 392 |
| Hríby..... | 392 |
| Zázračné hríby..... | 394 |
| Vyšiváný ručníček..... | 395 |
| Rybky vo vode..... | 395 |
| Spánok spravodlivých..... | 396 |
| Kvety ostanú..... | 397 |
| Jesenná lúčka..... | 397 |
| Tichá rozlúčka..... | 398 |
| Nezábudka živá..... | 399 |
| Slniečnice..... | 399 |
| Veľkí a malí..... | 400 |
| Modlitba za dieťa..... | 400 |
| Zamyslený anjel..... | 401 |
| Tvoje aj moje Vianoce..... | 402 |
| Maliarka rybičiek..... | 402 |
| Veľkonočné vajičko..... | 403 |
| Zuzana..... | 404 |
| Autormi podpísané..... | 405 |

ESEJE, EPIŠTOLY, SPOMIENKY...

| | |
|---|-----|
| Slovo básnika..... | 408 |
| Nástup generácie..... | 410 |
| Nepovedaný prejav na konferencii..... | 412 |
| Slovo k vrstovníkom..... | 416 |
| Sobotné večery..... | 419 |
| Fullove rozprávky..... | 423 |
| Čím nám bol básnik..... | 425 |
| Jan Skácel: Vitr jménem Jaromír..... | 428 |
| Legenda o ľudskom údele..... | 429 |
| Regenerácia symbolizmu v slovenskej poézii 20. storočia..... | 433 |
| Súkromná chvála eseje..... | 440 |
| Básnik Janko Král'..... | 443 |
| * * * (<i>Aj rukopisy majú svoje osudy.</i>)..... | 446 |
| Symboly žijú v nás a za nás žijú ďalej..... | 447 |
| Výboru Matice slovenskej..... | 452 |
| Čas volby..... | 453 |
| Starý príbeh..... | 456 |
| Pár slov k modlitbičkám..... | 458 |
| Príhovor k účastníkom svetového kongresu básnikov v Bratislave..... | 460 |
| Rodákom do Poruby..... | 461 |
| Vstup na dosky, ktoré znamenajú svet..... | 462 |

Z ROZHOVOROV

| | |
|---|-----|
| Na slovo..... | 466 |
| Hľadanie prameňov..... | 472 |
| Návraty..... | 479 |
| Báseň je bytosť..... | 490 |
| Sme stratená generácia?..... | 494 |
| Báseň nie je len slovo..... | 498 |
| Pri pohľade do zrkadla..... | 500 |
| Päť otázok básnikovi..... | 503 |
| Rozprávka je orechovou škrupinkou, v ktorej je uložený život..... | 508 |
| S pokorou chcem prijať svoj údel..... | 514 |

Z KRITICKÝCH REFLEXIÍ RÚFUSOVEJ TVORBY

| | |
|--|-----|
| Stanislav Šmatlák: Chlapec a báseň..... | 516 |
| Miloš Tomčík: Chlapec maľuje dúhu..... | 517 |
| Vladimír Mináč: Prichádza básnik..... | 518 |
| Ivan Mojík: Objektívnosť, nie okiadzanie..... | 519 |
| Michal Gáfrík: Na okraj niektorých názorov na poéziu..... | 520 |
| Alexander Matuška: Nevšedný debut..... | 521 |
| Bohuš Kováč: Doslov..... | 521 |
| František Miko: Umenie lyriky..... | 522 |
| Milan Hamada: Básnik a súčasnosť..... | 523 |
| Vladimír Petřík: Generácia Mladej tvorby..... | 523 |
| Ján Štrasser: Kríž pre Quijota..... | 524 |
| Albín Bagin: Rúfusov svet..... | 525 |
| Valér Mikula: Percepcia obrazu v Rúfusovej poézii..... | 526 |
| Ján Števíček: Milan Rúfus, Básne, 1972..... | 526 |
| Július Noge: Sú cesty..... | 527 |
| Viliam Marčok: Nad obrazmi rodného kraja..... | 527 |
| Jozef Bžoch: Cena slova a cena mlčania..... | 528 |
| Ján Zambor: O Rúfusovej obraznosti..... | 529 |
| Fedor Matejov: Neskorý autoportrét..... | 530 |
| Alejandro Hermida: Hraničná poézia..... | 530 |
| Zuzana Stanislavová: Pamäť rozprávky..... | 531 |
| Imrich Vaško: Myslenie a poézia..... | 532 |
| Vincent Šabík: Rúfusove návraty do Ithaky..... | 532 |
| Ján Švantner: Naplnený osud..... | 533 |
| Peter Zajac: Skica o slovenskej literatúre deväťdesiatych rokov..... | 533 |
| Ľubomír Kováčik: Mýtus a archetyp v tvorbe Milana Rúfusa..... | 534 |
| Karol Nandrásky: Teopoezia..... | 535 |
| Komentáre a vysvetlivky..... | 536 |
| Kalendárium života a diela Milana Rúfusa..... | 563 |
| Doslov (<i>Eva Jenčíková</i>)..... | 575 |
| Obrazová príloha..... | 593 |